www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 क्या नोएडा के युवा इंजीनियर युवराज की...

3 शिखर विज्डम क्वेस्ट 3.0-2026 के विजयी...

4 ग्वार की उन्नतशील खेती...

वर्ष: 10 | अंक: 92 | दिल्ली, शनिवार, 24 जनवरी 2026 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प के साथ शुरू हुआ तीन दिवसीय जनोत्सव

उत्तर प्रदेश (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप, इस वर्ष का आयोजन 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' की थीम पर आधारित है। 24 जनवरी से 26 जनवरी तक चलने वाला यह तीन दिवसीय कार्यक्रम न केवल प्रदेश की प्रगति का उत्सव है, बल्कि यह एक 'जनोत्सव' का रूप ले चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप, इस वर्ष विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश के विषयपर उत्तर प्रदेश दिवस-2026 के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। एक बयान के अनुसार यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 24 से 26 जनवरी तक प्रदेश भर में मनाया जाएगा तथा राज्य की प्रगति यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यह आयोजन केवल एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर जनोत्सव बने, जिसमें प्रदेश के हर नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित हो तथा प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और जीवंत आत्मा के साथ-साथ विकास यात्रा की भी झलक मिले। ऐसे में, इस विशिष्ट आयोजन के माध्यम से प्रदेश की पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी। एक बयान के अनुसार उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का मुख्य समारोह लखनऊ के नवनिर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल प्रांगण में आयोजित किया जाएगा।

मौजपुर में कैफे के अंदर युवक की गोली मारकर हत्या

दिल्ली (एजेन्सी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मौजपुर इलाके में शुक्रवार देर रात एक कैफे में अज्ञात हमलावरों ने 24 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह घटना रात 10:28 बजे वेलकम थाना क्षेत्र के एक कैफे में हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान फैजान उर्फ फज्जी (24) के रूप में हुई है, जो वेलकम का निवासी है। अधिकारी ने बताया, अपराध एवं फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की एक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और भौतिक एवं वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि हमलावरों की सटीक संख्या और हमले का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुँच गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने तिरुवनंतपुरम में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केरल के तिरुवनंतपुरम में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास करने के बाद ट्रेनों को हरी झंडी दिखाते हुए। (स्रोतः पीआईबी)

संजना भारती/पीआईबी

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के तिरुवनंतपुरम में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया तथा ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। श्री मोदी ने इस अवसर पर आयोजित समारोह में कहा कि केरल के विकास के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों को आज नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि केरल में रेल संपर्क को ज्यादा मजबूत किया गया है। इसके अलावा तिरुवनंतपुरम को बड़े स्टार्टअप केंद्र के रूप में परिवर्तन करने के लिए उपाय किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड के शुभारंभ के साथ ही केरल से गरीबों के कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रव्यापी पहलकदमी की शुरूआत हुई है। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि इससे देश भर में रेहड़ी-पटरी वाले विक्रेताओं और फुटपाथ पर काम करने वालों को लाभ होगा। उन्होंने इन विकास और रोजगारोन्मुख पहलकदमियों के लिए केरल के निवासियों और समूचे राष्ट्र के नागरिकों को बधाई दी।

श्री मोदी ने कहा कि वर्तमान में समूचा राष्ट्र एक विकसित भारत के निर्माण की अपनी कोशिशों में एकजुट है। इस अभियान में शहरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों में शहरी अवसंरचना में काफी निवेश किया है। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि केंद्र सरकार ने शहरों में रहने वाले गरीब परिवारों के लिए विस्तृत कार्य शुरू किए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत देश भर में 4 करोड़ से ज्यादा मकान बना कर गरीबों को दिए गए हैं। इनमें से 1 करोड़ से अधिक स्थाई मकान शहरी गरीबों को मिले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अकेले केरल में लगभग 1.25 लाख शहरी गरीब परिवारों को स्थाई मकान प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब परिवारों के लिए बिजली का खर्च घटाने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत के अंतर्गत गरीब नागरिकों को 5 लाख रुपए का इलाज निःशुल्क मिल रहा है। महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मातृ वंदना जैसी योजनाएं आरंभ की गई हैं। श्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने 12 लाख रुपए तक की आय को कर से मुक्त किया है जिसका काफी लाभ केरल के मध्यवर्गीय और वेतनभोगी लोगों को भी मिला है।

श्री मोदी ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में करोड़ों नागरिकों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि अब निर्धन, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समुदायों, महिलाओं और मछुआरों को बैंक से ऋण आसानी से मिल सकता है। उनके पास रेहन रखने के लिए कुछ नहीं होने की स्थिति में केंद्र सरकार अपनी ओर से गारंटी प्रदान करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि रेहड़ी-पटरी वालों को पहले कुछ सौ रुपयों का ऋण भी ऊंची ब्याज दर पर लेना पड़ता था। लेकिन पीएम स्वनिधि योजना से उनकी स्थिति में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि पहली बार देश भर के लाखों रेहड़ी-पटरी वालों को बैंकों से ऋण प्राप्त हुए हैं। इससे उन्हें अपनी आजीविका में सुधार के लिए महत्वपूर्ण मदद और अवसर मिले हैं।

श्री मोदी ने कहा कि भारत सरकार ने रेहड़ी-पटरी वालों को क्रेडिट कार्ड प्रदान कर एक कदम और आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि केरल में 10000 और तिरुवनंतपुरम में 600 से ज्यादा व्यक्तियों समेत लाभार्थियों को पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड अभी यहां वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अब तक सिर्फ धनवान क्रेडिट कार्ड रखते थे मगर अब पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड रेहड़ी-पटरी वालों के पास भी है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार कनेक्टिविटी, विज्ञान, नवोन्मेष और स्वास्थ्यसेवा में उल्लेखनीय निवेश कर रही है। उन्होंने केरल में सीएसआईआर नवोन्मेष केंद्र और मेडिकल कॉलेज में रेडियो सर्जरी केंद्र के उद्घाटन का जिक्र करते हुए कहा कि इससे राज्य को विज्ञान, नवोन्मेष और स्वास्थ्यसेवा की धुरी के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

विकसित भारत के निर्माण में हमारे शहरों की महत्वपूर्ण भूमिका-प्रधानमंत्री

राष्ट्रीय वयोश्री योजना एवं सुगम्य सहायक योजना के तहत रिकॉर्ड कैंपः इंद्राज सिंह

शाहबाद डेयरी में 150 बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों को वितरित किए गए सहायक उपकरण

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती पराक्रम दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए शाहबाद डेयरी, ए-ब्लॉक स्थित बारात घर, दिल्ली में निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कैंप के दौरान विशेषज्ञों द्वारा लगभग 150 लाभार्थियों को सहायक उपकरणों के सही उपयोग एवं रख-रखाव की पूरी विधि विस्तार से समझाई गई तथा मौके पर ही संबंधित अंगों के अनुसार उपकरण फिट किए गए। लाभार्थियों ने बताया कि पहले इस प्रकार के कैंप या तो आयोजित नहीं होते थे या उनकी जानकारी समय पर नहीं मिल पाती थी। उन्होंने इस जनकल्याणकारी पहल के लिए समाज कल्याण मंत्री श्री इंद्राज सिंह का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें अपना आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए समाज कल्याण मंत्री श्री इंद्राज सिंह ने कहा कि यह पहला ऐसा कैंप नहीं है, बल्कि दिल्ली सरकार द्वारा लगातार इस तरह के कैंप आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें वरिष्ठ नागरिकों को विशेषज्ञों की सहायता से सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं तथा उनके उपयोग की संपूर्ण जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कैंप में बड़ी संख्या में बुजुर्ग लाभार्थी भाग लेते हैं, जो सरकार की इस योजना पर विश्वास को दर्शाता है।

श्री इंद्राज सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत पात्र एवं जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराना सरकार का उद्देश्य है, जिससे वे सम्मानजनक, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।

जल वाले गुरु जी का अवतरण दिवस माघ शुक्ल पंचमी एवं सरस्वती पूजन धूमधाम से मनाया गया

संजना भारती संवाददाता

लोनी। भव्य जग जननी दरबार (सिद्धपीठ जल वाला मन्दिर) न्यू रामप्रस्थ विहार, बेहटा हाजीपुर, लोनी, गाजियाबाद में दरबार के संस्थापक एवं संचालक परम पूजनीय बृजघाट पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी श्री जलेश्वरानन्द गिरि जी महाराज (जल वाले गुरु जी) का अवतरण दिवस माघ शुक्ल पंचमी एवं सरस्वती पूजन का पर्व बडी धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि काशीपीठाधीश्वर श्रीमत जगदगुरु रामानन्दाचार्य, स्वामी डा0 कमलाचार्य वेदान्ती जी महाराज उपस्थित रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता कालका पीठाधीश्वर श्री महन्त सुरेन्द्रनाथ अवधूत जी महाराज ने की। इस अवसर पर दरबार प्रांगण में अनेक सन्त महात्मा और क्षेत्र के कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

हम सबके सुपरिचित पूज्य जल वाले गुरु जी को 10 फरवरी 2025 को महाकुम्भ के पावन पर्व पर जूना अखाडे के संरक्षक एवं अखाडा परिशद के महामंत्री परम श्रद्धेय महंत श्री हरि गिरि जी द्वारा सन्यास की दीक्षा दी और उसी दिन पंचगुरुओं की उपस्थिति में पूज्यपाद जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर अवधेशानन्द गिरि जी महाराज ने विधिवत महामण्डलेश्वर के रुप में अभिशेक किया।

इसी क्रम में 2 मई 2025 को शकराचार्य जयन्ति के सुपर्व पर जूना अखाडे के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सम्मानित सन्तों द्वारा बृजघाट पीठाधीश्वर के रुप में विधिवत नियुक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालु भक्तों को सम्बोधित करते हुए परम पूजनीय जल वाले गुरू जी ने कहा कि हमारे 16 सनातन संस्कारों मे जन्मदिवस विशेष संस्कार माना जाता है।

जन्मदिवस मनुष्य को उसकी आयु के साथ-साथ अपने अनुसार किए गये कार्यों की समीक्षा का दिन होता है जो वास्तव में मनुश्य को उसके पूर्व की उपलब्धियों, कार्यशैली का बोध कराता है साथ ही यह भी चिन्तन करने का सुअवसर मिलता है कि अब तक की आयु के हिसाब से जो कार्य होने चाहिए थे और किसी कारणवश नहीं हो पाए तो उनको पूर्ण करने के लिए योजना तैयार कर उनको पूर्ण करने का प्रयास करते हुए जीवन के वास्तविक लक्ष्य की और बढने का प्रयास करना चाहिए।

गुरुजी ने बताया कि आजकल जन्मदिन मनाने की शैली शास्त्रोक्त तो है ही नही, अपितु अनुचित भी है और मानव जीवन के लिए अशुभ भी है। गुरु जी ने विशेश अनुरोध किया कि घर में जो भी उत्सव मनाएं उनकों सनातन रीति से ही मनाएं, इसी में परिवार का पारिवारिक प्रेम, परिवार, समाज एवं राश्ट्र का कल्याण संभव है। मानव जीवन का वास्तविक लक्ष्य भौतिक संसाधन प्राप्त करना, शरीरिक सुख प्राप्त करना, परिवार का भरण-पोषण करते हुए जीवनयापन करना ही नहीं है अपितु परमात्मा एवं मां भगवती की अनुकम्पा से प्राप्त इस मानव शरीर के द्वारा सेवा, सत्संग, भजन एवं परोपकार के कार्य करते हुए जीवन यापन करना और जीवन मे धमार्नुकूल आचरण करते हुए भगवत प्राप्ति का प्रयास करना ही है यह केवल मानव शरीर से ही संभव है इसी से मानव की आत्मा का रुपान्तरण एवं जीवन का कल्याण संभव है।

हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के कारण दो राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 565 सड़कें बंद

हिमाचल प्रदेश (एजेन्सी)। हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के कारण दो राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 565 सड़कों को बंद कर दिया गया है और लगभग 4,800 बिजली ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, जनजातीय जिला लाहौल और स्पीति सबसे अधिक प्रभावित है, जहां 292 सड़कें अवरुद्ध हैं। इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग-03 (लेह-मनाली)

और राष्ट्रीय राजमार्ग-505 (काजा-ग्राम्फू) शामिल हैं। अन्य प्रमुख बंद सड़कों में चंबा में 105 सड़क, ऊना में 70, मंडी में 64, सिरमौर में 20, कुल्लू में नौ, कांगड़ा में चार और सोलन में एक सड़क शामिल हैं। बर्फबारी के कारण राज्यभर में बिजली आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। प्रभावित 4,797 ट्रांसफार्मर में से 1,856 सोलन में, 901 मंडी में, 682 कुल्लू में, 659 चंबा में, 624 सिरमौर में, 53 लाहौल और स्पीति में, 20 किन्नौर में और दो ऊना में हैं, जिससे कई इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है।

लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन दिल्ली डिक्लेरेशन 2026 को अपनाने के साथ संपन्न

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। भारत निर्वाचन आयोग का लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में दिल्ली डिक्लेरेशन 2026 को अपनाने के साथ संपन्न हुआ।

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त (ईसीज) डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी, 42 चुनाव प्रबंधन संस्थाओं (ईएमबी) के प्रमुख, 70 से अधिक राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञ, निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारी तथा राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 36 मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आईआईसीडीईएम-2026 के समापन सत्र में उपस्थित रहे।

समापन सत्र में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने दिल्ली डिक्लेरेशन 2026 का वाचन किया, जिसे ईएमबीज द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया। ईएमबी ने घोषणा-पत्र के पाँच स्तंभों-मतदाता सूचियों की शुद्धता, चुनावों का संचालन, अनुसंधान और प्रकाशन, प्रौद्योगिकी का उपयोग तथा प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण-से संबंधित विषयों पर मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। प्रतिभागियों ने समय-समय पर अपनी प्रगति की समीक्षा करने का भी संकल्प लिया तथा 3, 4 और 5 दिसंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित इंडियन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसीज एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में बैठक करने का प्रस्ताव रखा। ईएमबीज ने अंतरराष्ट्रीय आईडीईए के नेतृत्व में सात विषयों और आईआईआईडीईएम के नेतृत्व में 36 विषयों पर आधारित विश्व लोकतंत्रों की सह-क्यूरेटेड विश्वकोश तैयार करने; ईसीआई-नेट जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों के सह-विकास; आईआईआईडीईएम द्वारा पारदर्शी प्रथाओं के प्रशिक्षण एवं आदान-प्रदान तथा चुनावों के संचालन और मतदाता सूचियों की तैयारी में पेशेवरता लाने का भी संकल्प लिया।

अपने मुख्य भाषण में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि सम्मेलन में आदर्श अंतरराष्ट्रीय निर्वाचन मानकों पर चर्चा की गई। सम्मेलन के दौरान हुई 40 से अधिक द्विपक्षीय बैठकों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन बैठकों से आपसी सहयोग के विस्तार तथा साझा प्राथमिकताओं और दृष्टिकोणों की समझ में योगदान डाला है।

समापन सत्र में बोलते हुए निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू ने कहा कि खुली चर्चा, पारस्परिक सम्मान और एक-दूसरे से सीखने की इच्छा वैश्विक निर्वाचन समुदाय की परिपक्वता और पेशेवरता को दर्शाती है। अपने संबोधन में निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने कहा कि ईसीआई-नेट की शुरूआत विशेष रूप से भारत की तकनीकी प्रगति के लिए महत्वपूर्ण रही है।

तीन दिवसीय यह सम्मेलन, जो अपनी तरह का पहला और सबसे बड़ा सम्मेलन था, का शुभारंभ एक भव्य स्वागत समारोह और उद्घाटन सत्र के साथ हुआ, जिसमें 42 ईएमबी के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और 27 देशों के मिशन प्रमुखों सहित लगभग 1,000 व्यक्तियों ने भाग लिया।

पराक्रम दिवस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को किया नमन

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पराक्रम दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी और आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सेक्टर-3, चंडीगढ़ स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया।

श्री सैनी ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अपने पराक्रम, नेतृत्व और त्याग से देशवासियों में आजादी की अलख जगाई। आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं, यह उन्हीं जैसे महान क्रांतिकारियों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने नेताजी के अद्वितीय साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि देश की आजादी में उनका योगदान अविस्मरणीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी द्वारा दिखाए गए राष्ट्रसेवा, आत्मनिर्भरता और दृढ़ संकल्प के मार्ग पर चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की मजबूत नींव रखी जा रही है।

देश आज आत्मनिर्भरता, तकनीकी प्रगति और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं और भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प को साकार करें। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को बसंत पंचमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व ज्ञान, ऊर्जा और नवचेतना का प्रतीक है। यह दिन हमें राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री सैनी ने महान संत व समाज सुधारक सतगुरु राम सिंह जी महाराज की जयंती पर किया नमन

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महान संत, समाज सुधारक और राष्ट्र चेतना के अग्रदूत सतगुरु राम सिंह जी महाराज की जयंती के अवसर पर पंजाब के जिला लुधियाना स्थित श्री भैणी साहिब, समराला में आयोजित भव्य कार्यक्रम में शिरकत की।

मुख्यमंत्री ने सतगुरु राम सिंह जी महाराज को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके विचारों को सामाजिक और राष्ट्रीय उत्थान का मार्गदर्शक बताया। उन्होंने कहा कि बाबा जी का जीवन मानवता, नैतिकता और राष्ट्रहित पर आधारित सच्चे विकास की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आयोजक समिति की मांग पर कहा कि आयोजक समिति के सदस्यों से विचार-विमर्श के उपरांत सतगुरु राम सिंह जी महाराज के नाम पर हरियाणा सरकार चेयर स्थापित करने का कार्य करेगी।

श्री नायब सिंह सैनी ने कूका आंदोलन के दौरान देश की आजादी के लिए शहीद हुए सभी नामधारी सिखों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि सतगुरु राम सिंह जी ऐसे युगद्दष्टा संत थे, जिन्होंने धर्म को कर्म से, भक्ति को समाज सुधार से और अध्यात्म को राष्ट्र सेवा से जोड़ा। उन्होंने उस समय समाज को दिशा दी, जब भारत पराधीनता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, सामाजिक कुरीतियां गहरी जड़ें जमा चुकी थीं और आम जन का आत्मविश्वास डगमगा रहा था। ऐसे समय में बाबा राम सिंह जी ने नामधारी आंदोलन के माध्यम से समाज को आत्मसम्मान, अनुशासन और स्वाभिमान का मार्ग दिखाया। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सच्चा संत वही है, जो समाज को जागृत करे, अन्याय के विरुद्ध खड़ा हो और मानवता को सर्वोपरि माने। उन्होंने कहा कि सतगुरु राम सिंह जी के नेतृत्व में चला कूका आंदोलन स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरक गाथा है। 1849 के बाद पंजाब में ब्रिटिश शासन व्यवस्था के विरोध में यह आंदोलन शुरू हुआ, जो केवल आर्थिक नहीं बल्कि भारत की आत्मा को जगाने का प्रयास था।

सतगुरु राम सिंह जी ने असहयोग और स्वदेशी के माध्यम से शांतिपूर्ण आजादी की लड़ाई का मार्ग दिखाया, जिसे बाद में महात्मा गांधी जी ने अपनाया।

सम्पादकीय

भारत और ब्राजील के रिश्तों में नई सक्रियता

भारत और ब्राजील के रिश्तों में इस समय एक नई सक्रियता दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के बीच हुई बातचीत ने यह साफ कर दिया है कि दोनों देश अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के अगले चरण तक ले जाना चाहते हैं। इसी क्रम में यह भी तय हुआ है कि ब्राजील के राष्ट्रपति शीघ्र ही भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। यह दौरा ऐसे समय में होने जा रहा है जब वैश्विक व्यापार व्यवस्था एक बार फिर अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक व्यापार नीति ने विश्व अर्थव्यवस्था में नई बेचैनी पैदा कर दी है। टैरिफ को हथियार बनाकर अमेरिका ने कई देशों पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई है। भारत और ब्राजील दोनों ही इस नीति से प्रभावित हुए हैं। अमेरिकी बाजार में पहुंच को सीमित करने वाले शुल्कों ने इन देशों के निर्यातकों के सामने कठिनाइयां खड़ी की हैं। लेकिन यही दबाव भारत और ब्राजील को एक दूसरे के और करीब भी ले आया है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति लूला की बातचीत में यह साफ संकेत मिला कि दोनों देश ग्लोबल साउथ की एकजुट आवाज को मजबूत करना चाहते हैं। वार्ता के दौरान व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य और तकनीक जैसे क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की गई और आगे बढ़ने के रास्तों पर भी चर्चा की गई। देखा जाये तो यह केवल द्विपक्षीय संबंधों की बात नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक सोच का हिस्सा है जिसमें उभरती अर्थव्यवस्थाएं मिलकर एकतरफा वैश्विक फैसलों का संतुलित जवाब देना चाहती हैं। अब सवाल यह है कि भारत और ब्राजील ट्रंप के टैरिफ हथियार का जवाब किस तरह दे रहे हैं? पहला रास्ता है आपसी व्यापार और निवेश को बढ़ाना। यदि अमेरिकी बाजार बाधा बनता है तो भारत और ब्राजील एक दूसरे के लिए वैकल्पिक और भरोसेमंद बाजार बन सकते हैं। दूसरा रास्ता है बहुपक्षीय मंचों पर संयुक्त रुख। विश्व व्यापार संगठन और अन्य वैश्विक संस्थाओं में दोनों देश मिलकर यह सवाल उठा सकते हैं कि एकतरफा टैरिफ नीति अंतरराष्ट्रीय नियमों की भावना के खिलाफ है। तीसरा रास्ता है ग्लोबल साउथ के अन्य देशों को साथ जोड़ना, ताकि यह संघर्ष केवल दो या तीन देशों का न रहकर सामूहिक आवाज बन जाए। भारत और ब्राजील की साझेदारी की सामरिक अहमियत भी कम नहीं है। दोनों ही देश अपने अपने क्षेत्रों में प्रभावशाली शक्ति हैं। भारत एशिया में और ब्राजील लैटिन अमेरिका में नेतृत्वकारी भूमिका निभाता है। इन दोनों का साथ आना उत्तर दक्षिण संतुलन को नई दिशा देता है। रक्षा सहयोग से लेकर समुद्री सुरक्षा तक और अंतरिक्ष अनुसंधान से लेकर स्वच्छ ऊर्जा तक, दोनों देशों के पास साझा काम करने के अनेक अवसर हैं। इस रिश्ते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है लोकतांत्रिक मूल्य। भारत और ब्राजील दोनों बड़े लोकतंत्र हैं और बहुलतावाद में विश्वास रखते हैं। ऐसे समय में जब दुनिया में संरक्षणवाद और संकीर्ण राष्ट्रवाद बढ़ रहा है, इन देशों का मिलकर बहुपक्षवाद की वकालत करना वैश्विक राजनीति में संतुलन पैदा करता है। यह संदेश जाता है कि वैश्विक शासन केवल ताकतवर देशों की मर्जी से नहीं चल सकता। देखा जाये तो ब्राजील के राष्ट्रपति का भारत दौरा प्रतीकात्मक भी है और व्यावहारिक भी। प्रतीकात्मक इसलिए कि यह ग्लोबल साउथ की एकजुटता का संदेश देता है और व्यावहारिक इसलिए कि इससे ठोस समझौते और योजनाएं सामने आ सकती हैं। कृषि उत्पादों का आदान प्रदान, फार्मा और स्वास्थ्य सहयोग, डिजिटल तकनीक और स्टार्टअप साझेदारी जैसे क्षेत्रों में दोनों देश एक दूसरे की पूरक क्षमताओं का लाभ उठा सकते हैं। वैश्विक स्तर पर भारत ब्राजील संबंधों का असर संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांग से लेकर अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में अधिक प्रतिनिधित्व की मांग तक देखा जा सकता है। दोनों देश लंबे समय से यह कहते आए हैं कि मौजूदा वैश्विक संस्थाएं आज की दुनिया की वास्तविकताओं को सही ढंग से नहीं दर्शातीं। जब भारत और ब्राजील एक स्वर में यह बात कहते हैं तो उसका वजन कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि ट्रंप की टैरिफ नीति ने अनजाने में भारत और ब्राजील को एक साझा रणनीतिक रास्ते पर ला खड़ा किया है। यह साझेदारी किसी एक देश के खिलाफ नहीं बल्कि एकतरफा दबाव की राजनीति के खिलाफ है। आने वाले समय में यदि भारत और ब्राजील अपने सहयोग को गहराई देते हैं, तो वे न केवल अपने आर्थिक हितों की रक्षा कर पाएंगे बल्कि ग्लोबल साउथ के लिए एक नई दिशा भी तय करेंगे। बहरहाल, यह संबंध केवल वर्तमान की जरूरत नहीं बल्कि भविष्य की तैयारी है। एक ऐसा भविष्य जहां वैश्विक फैसले सहयोग से होंगे, दबाव से नहीं। भारत और ब्राजील की बढ़ती नजदीकी इसी उम्मीद का संकेत देती है।

जयंती

पुलिन बिहारी दास

जन्म–24 जनवरी, 1877, फरीदपुर, मृत्यु–17 अगस्त, 1949, कोलकाता, महान स्वतंत्रता प्रेमी व क्रांतिकारी थे। उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए "ढाका अनुशीलन समिति" नामक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की व अनेक क्रांतिकारी घटनाओं को अंजाम दिया। कलकत्ता विश्वविद्यालय उनके सम्मान में विशेष पदक देता है, जिसका नाम 'पुलिन बिहारी दास स्मृति पदक' है।

पुण्यतिथि

होमी जहाँगीर भाभा

जन्म: 30 अक्तूबर, 1909, मुंबई, मृत्यु: 24 जनवरी, 1966, भारत के एक प्रमुख वैज्ञानिक थे, जिन्होंने भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की कल्पना की थी। जब होमी जहाँगीर भाभा 29 वर्ष के थे और उपलब्धियों से भरे 13 वर्ष इंग्लैंड में बिता चुके थे। उस समय 'कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय' भौतिक शास्त्र के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ स्थान माना जाता था। वहाँ पर श्री भाभा केवल पढ़ाई ही नहीं बल्कि कार्य भी करने लगे थे। जब अनुसंधान के क्षेत्र में श्री भाभा के उपलब्धियों भरे वर्ष थे तभी स्वदेश लौटने का अवसर उन्हें मिला। श्री भाभा ने अपने वतन भारत में रहकर ही कार्य करने का निर्णय लिया। उनके मन में अपने देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक क्रांति लाने का जुनून था। यह डॉ. भाभा के प्रयासों का ही प्रतिफल है कि आज विश्व के सभी विकसित देशों भारत के नाभिकीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा एवं क्षमता का लोहा माना जाता है।

कल मिलेंगे

मंटू अपनी ससुराल में फोन करता है,
उधर से सास की आवाज आती है–
कितना बार कहा है तुमसे,
अब वो न तुम्हारे घर आएगी और न तुम्हारा फोन उठाएगी
तो क्यों बार–बार फोन करते हो यहां
मंटू–कुछ नहीं बस सुनकर अच्छा लगता है...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

क्या नोएडा के युवा इंजीनियर युवराज की मौत से सिस्टम लेगा सबक?

-दीपक कुमार त्यागी
अधिवक्ता, स्तंभकार व राजनीतिक विश्लेषक

अब इक्कीसवीं सदी के आधुनिक शक्तिशाली भारत के हुक्मरानों व सिस्टम के सामने विचारणीय तथ्य यह है कि देश के दिल राजधानी दिल्ली से सटे क्षेत्र में नोएडा में डूबने से पहले कार की छत पर 80–90 मिनट तक एक 27 वर्षीय युवा जान बचाने के लिए संघर्ष करता रहता है और वहीं उस युवा को बचावकर्मियों की लगभग 80 कर्मियों की एक लंबी चौड़ी टीम मिलकर भी नहीं बचा पाए, यह स्थिति बेहद ही चिंताजनक व विचारणीय है

नोएडा के युवा साफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत ने देश के सिस्टम में व्याप्त लापरवाही पूर्ण सोच व खामियों की एकबार फिर से पोल खोलने का कार्य कर दिया है। दुर्घटना के बाद किसी के घर का चिराग सिस्टम की लापरवाही से पूरी वीरता से लड़ते हुए कुंभकर्णी नींद में सो रहे सिस्टम को जगाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर गया है। इस हृदयविदारक घटना के बाद से ही उत्तर प्रदेश के सिस्टम में हड़कंप मचा हुआ है, जिसके चलते ही तत्काल नोएडा प्राधिकरण ने इस घटना की जांच कराने की घोषणा कर दी थी और प्रारंभिक जांच के आधार पर अपनी गाज गिराते हुए एक इंजीनियर की नौकरी से समाप्ति तक की कार्रवाई कर दी, वहीं युवराज के पिता ने भी एफआईआर दर्ज करवाई है, और नोएडा प्रशासन ने भी दो लापरवाह बिल्डरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है, जिस पर पुलिस जांच करके आगे की कार्रवाई करेगी। वहीं इस दुखद घटना का उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को संज्ञान लेते हुए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करते पांच दिन में जांच रिपोर्ट तलब करने आदेश दिए हैं, एसआईटी के गठन के तुरंत बाद ही नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम. (आईएएस) को हटा कर प्रतिक्षा सूची में रख दिया गया है।

लेकिन इस घटना के बाद लगता है कि ऐसी भयंकर लापरवाही वाली स्थिति में क्या कभी भारत को विश्वगुरु बनाया जा सकता है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि भारत को विश्वगुरु बनाने के सपना को धरातल पर साकार होते हुए देखना हर देशभक्त भारतीय का अपना सपना है। लेकिन देश के सिस्टम में बैठे हुए कुछ लोगों का लापरवाही पूर्ण व भ्रष्टाचार युक्त आचरण इस में सबसे बड़ा बाधक है, अगर ऐसा ही चलता रहा तो यह सपना धरातल पर कैसे मूर्तरूप लेगा, यह एक बड़ा सवाल हर देशभक्त भारतीय के जहन में अक्सर घूमता रहता है। नोएडा में सिस्टम में बैठे कुछ लोगों की लापरवाही का एक उदाहरण शुक्रवार की रात नोएडा में हुई एक कार दुर्घटना के बाद देखने को मिला, जिस तरह से नोएडा में दिलो-दिमाग को झकझोर देने वाली दर्दनाक घटना घटित हुई, उसने दुनिया में हमें उपहास का पात्र बना दिया है, क्योंकि देश एक तरफ तो चंद्रमा व मंगल तक अंतरिक्ष की ऊंचाई को छूने का कार्य कर रहा है, वहीं सागर की गहराइयों को चीरते हुए तल तक जा रहा है, लेकिन सिस्टम को बचाव का पूरा समय मिलने के बावजूद भी सिस्टम में बैठे हुए कुछ लोगों की अनिर्णय की स्थिति या लापरवाही के चलते देश के भविष्य 27 वर्षीय युवा इंजीनियर को जमीन पर भी नहीं बचा पा रहा है, जो ठीक नहीं है। यहां आपको बता दें कि इंजीनियर युवराज मेहता की शुक्रवार की रात 12:05 पर अनियंत्रित कार नोएडा में दुर्घटना के बाद एक नाले की दीवार को तोड़ते हुए बिल्डर के द्वारा बेसमेंट के लिए खोदकर छोड़े गए गहरे गड्ढे में गिर गई थी और समय रहते ही युवराज ने फोन करके 12.25 बजे घटना स्थल के पास ही स्थित अपने घर पर पिता को अपने साथ हुई दुर्घटना की जानकारी दी थी। जिसके बाद युवराज के पिता ने भी पुलिस को समय रहते हुए अवगत करा दिया था। सूत्रों के अनुसार 12.41 पर कंट्रोल रूम से कोतवाली प्रभारी के पास फोन आया था, जिसके चलते ही घटनास्थल पर कुछ समय के बाद ही 12.50 पर पुलिस फोर्स और दमकल कर्मी और 1.15 पर एसडीआरएफ की टीम पहुंच गयी थी। युवराज की जान बचाने के लिए सिस्टम ने प्रयास भी शुरू कर दिए थे, लेकिन अफसोस ना जाने क्यों वहां मौजूद सिस्टम विफल रहा और 1.45 पर बेसमेंट में भरे पानी में युवा इंजीनियर युवराज कार समेत डूब गया। 1.55 बजे गाजियाबाद से एनडीआरएफ टीम घटनास्थल पर पहुंची थी, लेकिन शायद जबतक युवराज को काल ने अपना ग्रास बना लिया था, जिसके बाद युवराज की तलाश शुरू हुई, 4.30 बजे युवराज के शरीर को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

जिसके बाद देशवासी हतप्रभ हैं कि इक्कीसवीं सदी के आधुनिक भारत में आखिर ऐसे कैसे काम चलेगा। मृतक के पिता के आरोप, मीडिया की रिपोर्ट व सूत्रों के अनुसार 27 वर्षीय युवा इंजीनियर युवराज ने कड़ाके की ठंड में जान बचाने की एक लंबी जद्दोजहद के दौरान डूबने से पहले कार की छत पर अपने पिता, सिस्टम के लोगों व अन्य लोगों के सामने लगभग 80-90 मिनट तक पूरे हौसले के साथ संघर्ष किया था। जबकि युवराज को बचाने के लिए पुलिस, दमकल विभाग और स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की टीमें समय रहते मौकें पर मौजूद थी, लेकिन अफसोस तीनों विभाग की टीम भी मिलकर युवराज को नहीं बचा पायी। जिसके बाद से पिता व प्रत्यक्षदर्शियों के आरोप हैं कि कुछ महत्वपूर्ण संसाधनों के अभाव और बचाव टीम के कड़ाके की ठंड के चलते उचित प्रयासों के अभाव के चलते ही युवा युवराज की जान बचाने में विफलता हाथ लगी है, जिसकी सत्यता का एसआईटी की जांच में जल्द ही खुलासा हो जायेगा। मुख्यमंत्री योगी के द्वारा गठित एसआईटी की जांच रिपोर्ट आने के बाद पुलिस व प्रशासन के अन्य लोगों पर गाज गिरनी तय है।

लेकिन अब इक्कीसवीं सदी के आधुनिक शक्तिशाली भारत के हुक्मरानों व सिस्टम के सामने विचारणीय तथ्य यह है कि देश के दिल राजधानी दिल्ली से सटे क्षेत्र में नोएडा में डूबने से पहले कार की छत पर 80-90 मिनट तक एक 27 वर्षीय युवा जान बचाने के लिए संघर्ष करता रहता है और वहीं उस युवा को बचावकर्मियों की लगभग 80 कर्मियों की एक लंबी चौड़ी टीम मिलकर भी नहीं बचा पाए, यह स्थिति बेहद ही चिंताजनक व विचारणीय है। कार दुर्घटना के बाद डूबकर जान गंवाने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की यह कहानी दिल को झकझोर देने वाली और बेहद दर्दनाक है कि कैसे 27 वर्षीय युवराज मेहता ने खुद को अंतिम समय तक बचाने की भरसक कोशिश की थी, उसने दुर्घटना के बाद भी जबरदस्त हिम्मत से काम लिया। पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिरने के बाद भी वह कड़ाके की ठंड में संघर्ष करते हुए कार की छत पर चढ़ने में कामयाब रहा था, उसके बाद अपने पिता को फोन करके हादसे की सूचना दी थी और डूबने से पहले युवराज जान बचाने की उम्मीद में लगभग 80-90 मिनट तक कार की छत पर खड़े होकर के वहां उपस्थित पिता व सिस्टम के लोगों से जल्दी जान बचाने की गुहार लगाता रहा, जो स्थिति बहुत ही हृदयविदारक थी। सूत्रों के अनुसार उस वक्त तक पुलिस, दमकल कर्मी व एसडीआरएफ की बचाव टीम मौके पर थी, एक बेबस लाचार पिता अपने घर के चिराग को बचाने के लिए सिस्टम से गुहार लगा रहा था, लेकिन अफसोस करीब 80 कर्मचारी मिलकर भी युवराज की जान नहीं बचा पाए। बाद में बचाव अभियान के असफल होने के कई कारण चर्चाओं में हैं उस दिन कोहरा बहुत ज्यादा ही था, जो बात एकदम सत्य है, जिसके चलते घटना स्थल पर बहुत ज्यादा अंधेरा था, बचाव कर्मियों के पास घटनास्थल पर उपलब्ध रस्सियों-सीढ़ियों की लंबाई कम थी, जिसके चलते युवराज तक बचाव कर्मी पहुंचने में विफल रहे और बाद में स्थल पर नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के पहुंचने के बाद ही युवराज के शव को बाहर निकाला गया। युवराज के पिता, दोस्तों और मौके पर उपस्थित लोगों का आरोप है कि इस घटना ने वहां पर उपस्थित पुलिस, दमकल और एसडीआरएफ की टीम के पास संसाधनों की कमी, कर्मियों की लापरवाही और मानवीय संवेदनहीनता को देशवासियों के सामने लाने का कार्य किया है 80 लोगों की भारी-भरकम ट्रेंड टीम के किसी एक भी सदस्य ने बेसमेंट के ठंडे पानी में उतरकर के युवराज की जान बचाने का साहस तक नहीं जुटाया, वहीं सूत्रों के अनुसार एक राह चलते हुआ अनट्रेंड डिलीवरी देने वाला युवक रस्सी बांध कर कड़ाके की ठंड में बेसमेंट के सरियों की चिंता किये बिना पानी में उतर गया था, उसने युवराज तक पहुंचने का प्रयास किया था, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। वहीं अफसोस घटनास्थल पर उपस्थित पुलिस, दमकल व एसडीआरएफ के पास इस आपदा से निपटने के संसाधन कम पड़ गए थे, जिसके चलते देश का भविष्य एक 27 वर्षीय युवा साफ्टवेयर इंजीनियर युवराज जनमानस के जहन में अनेक सवाल छोड़ते हुए दुनिया को अलविदा कह गया, एक घर का चिराग संघर्ष करते हुए बुझ गया। लेकिन जिस तरह से इस पूरे मामले का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया उससे लगता है कि इस मामले में अभी बहुत सारे लोगों पर गाज गिरनी तय है। हालांकि उससे अब युवराज तो वापस आना वाला नहीं है, लेकिन एक आम देशवासी के नाते हम लोग यह उम्मीद करते हैं कि इस तरह की घटना से सिस्टम भविष्य में सबक अवश्य लें, ऐसी भयंकर लापरवाही देश में फिर कभी किसी के घर का चिराग ना बुझे, देश के हुक्मरान व सिस्टम पूरे देश में एक ऐसा आधुनिक संसाधनों युक्त कारगर सरकारी तंत्र अवश्य विकसित कर लें जो एक-एक जान की अहमियत अवश्य समझें।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वैश्विक स्तर पर युद्ध के बदलते स्वरूप

-प्रहलाद सबनानी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत को कम करने के भरसक प्रयास हो रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों द्वारा भारी मात्रा में अपना निवेश लगातार निकाला जा रहा है जिससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर प्रवाह भारी मात्रा में हो रहा है और भारतीय रुपए पर दबाव बन रहा है

21वीं सदी में शक्ति संघर्ष का स्वरूप बहुत तेजी से बदल रहा है। अब विभिन्न देशों के बीच संघर्ष, तोप, मिसाइल एवं सेनाओं के माध्यम से नहीं लड़े जा रहे हैं बल्कि तकनीकि उपलब्धता, मुद्रा नियंत्रण, पूंजी प्रवाह, खाद्य सुरक्षा, आकड़ों (डेटा) का संग्रहण, नियम निर्माण को प्रभावित करने की क्षमता एवं वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करना, आदि में माध्यम से लड़ा जा रहा है। यह एक ऐसा बहुपरत, निरंतर संस्थागत एवं सूक्ष्म युद्ध का स्वरूप है जो राष्ट्र की आर्थिक सामरिक स्वायत्तता को बिना पारम्परिक लड़ाई के नष्ट करने की क्षमता रखता है। यह युद्ध वैश्विक बाजारी शक्तियों अर्थात बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, वॉल स्ट्रीट पर आधारित वित्तीय नेट्वर्क, डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों (विश्व व्यापार संगठन, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक), रेटिंग संस्थानों, बड़े तकनीकि संस्थानों एवं निजी सैन्य परामर्श समूहों द्वारा मिलकर संचालित किया जा रहा है। यह युद्ध एक प्रणाली है एवं यह एक घटना नहीं है।

व्यवस्थित तरीके से लड़े जाने वाले उक्त वर्णित युद्ध में रणनीतिक तंत्र का उपयोग किया जाता है। इस तंत्र के माध्यम से वैश्विक बाजारवादी शक्तियां मिलकर किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, नीति संरचना, मुद्रा, पूंजी प्रवाह, तकनीकि, आपूर्ति श्रृंखला, खाद्य सुरक्षा एवं सामाजिक धारणा पर लम्बे समय तक अपना प्रभाव एवं नियंत्रण स्थापित कर लेती हैं। यह युद्ध अदृश्य रूप से चलता है एवं किसी को प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देता है। यह युद्ध विभिन्न संस्थानों के माध्यम से लड़ा जाता है एवं इस युद्ध के माध्यम से किसी भी देश की शासन व्यवस्था को भी परिवर्तित किया जा सकता है। हाल ही के समय में उक्त वर्णित अदृश्य युद्ध के माध्यम से बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका आदि देशों में सत्ता परिवर्तन किया गया है। भारत में भी इस तरह के प्रयोग अदृश्य रूप से किए जा रहे हैं परंतु भारतीय नागरिकों पर इस चाल को अभी तक कोई असर नहीं हुआ है क्योंकि भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे सामाजिक संगठन नागरिकों के बीच अपनी प्रभावी भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत को कम करने के भरसक प्रयास हो रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों द्वारा भारी मात्रा में अपना निवेश लगातार निकाला जा रहा है जिससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर प्रवाह भारी मात्रा में हो रहा है और भारतीय रुपए पर दबाव बन रहा है। भारत में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात महंगे हो रहे हैं इससे अंततः भारत में मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि हो सकती है और भारत के नागरिकों में वर्तमान सत्ता के विरुद्ध असंतोष का भाव जाग सकता है। परंतु केंद्र सरकार की नीतियों के चलते अभी तक मुद्रा स्फीति की वृद्धि दर पर नियंत्रण बनाए रखने में सफलता मिली है एवं भारतीय खुदरा निवेशकों, म्यूचूअल फण्ड एवं देशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में पर्याप्त मात्रा में अपना निवेश बढ़ाया है इससे भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट को सफलतापूर्वक रोका जा सका है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा फेड रेट (अमेरिकी ब्याज दर) में वृद्धि करने से भी अमेरिकी डॉलर अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत होता है क्योंकि अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि होने से वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में उभर रही अर्थव्यवस्थाओं से अमेरिकी डॉलर का निवेश निकल कर अमेरिका की ओर आकर्षित होने लगता है। इससे भी इन देशों की मुद्राओं पर दबाव निर्मित होने लगता है। अतः ब्याज दरों में वृद्धि को भी एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। तीसरे हथियार के रूप में किसी भी देश की मुद्रा को SWIFT जैसे भुगतान नेट्वर्क से अलग कर दिया जाना है। इस निर्णय से सम्बंधित देश की मुद्रा का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेनदेन विपरीत रूप से प्रभावित होने लगता है। जैसे रूस की मुद्रा रूबल के साथ हाल ही के समय में हुआ था। उक्त समस्त निर्णयों से किसी भी देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोर किया जा सकता है इससे उस देश में उत्पादों के आयात महंगे हो सकते हैं, उस देश पर विदेशी कर्ज का भार बढ़ सकता है एवं उस देश का आर्थिक विकास प्रतिबंधित हो सकता है। यह युद्ध संरचनात्मक अधीनता पैदा करता है।

इसी तरह का दबाव कुछ देशों पर तब डाला जाता है जब वे किसी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान (विश्व बैंक, अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष, रेटिंग संस्थान) से ऋण लेने का प्रयास करते हैं। इन संस्थानों द्वारा इन देशों पर टैक्स की दरें बढ़ाने, अपने खर्चों पर नियंत्रण स्थापित करने, राजस्व सम्बंधी निर्णयों पर अपनी नीति थोपने, उस देश के ऊर्जा, बंदरगाह एवं खनन क्षेत्रों का निजीकरण करने के प्रयास करना एवं इसके मध्यम से उस देश में चुपचाप शासन परिवर्तन के प्रयास करना भी शामिल हैं। इन संस्थानों से कर्ज लेना आधुनिक गुलामी का सबसे व्यवस्थित मॉडल बन पड़ा है। इसके साथ ही, विभिन्न देशों के साथ व्यापार युद्ध भी छेड़ा जाता है। जैसे, अमेरिका द्वारा ब्रिक्स (भारत, चीन, रूस, ब्राजील) पर 500 प्रतिशत का टैरिफ लगाने के प्रयास करना भी इन देशों के विरुद्ध एक शद्म युद्ध छेड़ने जैसा ही निर्णय है। इन्हीं उपायों में कुछ देशों को निर्यात प्रतिबंधित करना भी इसी नीति का एक हिस्सा है। जैसे, अमेरिका एवं चीन द्वारा अन्य देशों को सेमीकंडक्टर, चिप एवं 5G के उपकरण के निर्यात करने पर रोक लगाई गई थी ताकि प्रभावित किये जाने वाले देशों में इन तकनीकी का उपयोग असम्भव हो सके और इन देशों का विकास रुक जाए। इसी प्रकार के प्रयासों में किसी देश के कृषि क्षेत्र की नीतियों को प्रभावित कर उस देश में खाद्य पदार्थों की उपलब्धता को कम करना भी शामिल है ताकि उस देश के नागरिक अपने देश की सरकार के खिलाफ उठ खड़े हों। जैसे हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते को सम्पन्न करने के लिए भारत पर दबाव बनाया जा रहा है कि भारत अपने कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोल दे। इससे अमेरिकी उत्पाद सस्ती दरों पर भारत में उपलब्ध हो जाएंगे एवं भारत के किसानों द्वारा उत्पादित खाद्य पदार्थ सस्ते अमेरिकी उत्पादों की स्पर्धा में टिक नहीं पाएंगे।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

शेख हसीना की दहाड़-उखाड़ फेंको यूनुस सरकार!

(एजेन्सी)।
बांग्लादेश की सत्ता से बेदखल होने के 17 महीने बाद, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी चुप्पी तोड़ी है। भारत में रह रहीं अवामी लीग की नेता ने एक कड़े संदेश के माध्यम से मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर तीखा हमला बोला और बांग्लादेश की जनता से इस शासन को उखाड़ फेंकने की अपील की। हसीना ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि बांग्लादेश को पिछले वर्ष (अगस्त 2024) हुई हिंसक घटनाओं की संयुक्त राष्ट्र (वठ) से 'निष्पक्ष जांच' कराने की मांग करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में देश "चरमपंथी सांप्रदायिक ताकतों और विदेशी अपराधियों के हमले से तबाह" हो रहा है।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश की जनता से मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया और कहा कि अगर यह सत्ता में बनी रहती है तो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं होंगे। ढाका से नयी दिल्ली आने के 17 महीने बाद भारत में अपने पहले सार्वजनिक भाषण में, अवामी लीग की नेता ने यह भी कहा कि बांग्लादेश को संयुक्त राष्ट्र से पिछले वर्ष की घटनाओं की निष्पक्ष जांच करने का आग्रह करना चाहिए।

उन्होंने लोगों से संविधान को बहाल करने और धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। नयी दिल्ली में एक कार्यक्रम में हसीना का पहले से रिकॉर्ड किया गया ऑडियो क्लिप चलाया गया। यह संदेश बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले संसदीय चुनावों के लिए प्रचार शुरू होने के एक दिन बाद आया। अवामी लीग पार्टी को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है। अपने संबोधन में हसीना ने यूनुस पर जमकर हमला बोला और उन पर अवैध शासन चलाने का आरोप लगाया।

मेटा ने किशोरों के लिए 'एआई कैरेक्टर' तक पहुंच पर अस्थायी रोक लगायी

(एजेन्सी)।
अमेरिका की बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने कहा है कि वह किशोरों के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) कैरेक्टर तक पहुंच को अस्थायी रूप से रोक रही है। कंपनी ने शुक्रवार को एक ब्लॉग पोस्ट में इसकी जानकारी दी। इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप की मालिकाना हक वाली कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक ने बताया कि आने वाले कुछ हफ्तों में किशोरों को एआई कैरेक्टर (एआई आधारित डिजिटल किरदार) तक पहुंच नहीं दी जाएगी और यह रोक तब तक लागू रहेगी, जब तक इसका नया और बेहतर संस्करण तैयार नहीं हो जाता।

कंपनी ने कहा कि यह फैसला उन सभी उपयोगकर्ताओं पर लागू होगा जिन्होंने मेटा में ऐसी जन्मतिथि दर्ज की है जिससे वे नाबालिग साबित होते हैं। साथ ही यह रोक उन लोगों पर भी लागू होगी जो खुद को वयस्क बताते हैं, लेकिन उम्र का अनुमान लगाने वाली हमारी प्रौद्योगिकी के आधार पर वे हमें किशोर लगते हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब मेटा, टिकटॉक और गूगल का यूट्यूब बच्चों पर अपने ऐप के कथित दुष्प्रभावों को लेकर अगले सप्ताह लॉस एंजिलिस में मुकदमे का सामना करने वाले हैं। हालांकि, किशोर अब भी मेटा के एआई असिस्टेंट का उपयोग कर सकेंगे, लेकिन वे एआई कैरेक्टर तक नहीं पहुंच पाएंगे। अन्य कंपनियों ने भी बच्चों पर एआई आधारित बातचीत के प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच किशोरों के लिए एआई चैटबॉट पर रोक लगा दी है।

कैरेक्टर डॉट एआई ने पिछले साल ही किशोरों के लिए प्रतिबंध की घोषणा कर दी थी। यह कंपनी बाल सुरक्षा से जुड़े कई मुकदमों का सामना कर रही है, जिनमें एक मुकदमा उस मां द्वारा दायर किया गया है जिसका दावा है कि कंपनी के चैटबॉट ने उसके किशोर बेटे को आत्महत्या के लिए उकसाया।

टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो सकता है बांग्लादेश, सरकार के आदेश से बढ़ा संकट

(एजेन्सी)।
बांग्लादेश के टी20 विश्व कप 2026 में खेलने की संभावनाएं लगभग खत्म होती नजर आ रही हैं। गुरुवार को हालात उस वक्त और बिगड़ गए जब बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और खिलाड़ियों को भारत की यात्रा न करने का निर्देश दे दिया है। बता दें कि यह फैसला व्यावहारिक रूप से बांग्लादेश के टूर्नामेंट से बाहर होने की पुष्टि जैसा माना जा रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, आईसीसी आज या कल आधिकारिक बयान जारी कर सकता है और बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किए जाने का ऐलान संभव माना जा रहा है। गौरतलब है कि क्रिकेट के दीवानों वाला देश बांग्लादेश हमेशा वैश्विक टूर्नामेंटों में अपनी मौजूदगी से रोमांच बढ़ाता रहा है। ऐसे में इस पूरे घटनाक्रम को बांग्लादेश क्रिकेट के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि अगर राजनीतिक और बाहरी दबाव बीच में न आते, तो इस स्थिति से बचा जा सकता था।

दरअसल, बांग्लादेश की भागीदारी पर सवाल उस वक्त से उठने लगे थे, जब बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स से मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने को कहा था। उस फैसले को बांग्लादेश में हुई कथित घटनाओं से जोड़कर देखा गया था। इसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को 24 घंटे का समय दिया था, ताकि वह अपनी स्थिति स्पष्ट कर सके। उस दौरान खिलाड़ियों को उम्मीद थी कि सरकार उनका साथ देगी। लेकिन जब सरकार की ओर से सीधे निर्देश जारी हुए, तो हालात और जटिल हो गए। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, खिलाड़ी सार्वजनिक रूप से कुछ भी कहने से बचते दिखे। बताया गया है कि हालिया घटनाओं के चलते टीम के भीतर एक डर का माहौल बन गया है।

इसी बीच बांग्लादेश क्रिकेट के वरिष्ठ खिलाड़ी तमीम इकबाल को लेकर भी विवाद सामने आया। गौरतलब है कि तमीम ने बोर्ड से भावनाओं में बहकर फैसला न लेने की अपील की थी। इसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अधिकारी एम नजमुल इस्लाम ने उन्हें 'भारतीय एजेंट' तक कह दिया था। इस बयान पर खिलाड़ियों में गहरा रोष देखने को मिला।

हालांकि नजमुल इस्लाम ने बाद में अपने पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन इस टिप्पणी ने खिलाड़ियों के मन पर गहरी छाप छोड़ी है। मौजूदा हालात में बांग्लादेश क्रिकेट एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां खेल से ज्यादा राजनीति और सुरक्षा जैसे मुद्दे फैसलों को प्रभावित करते नजर आ रहे हैं। अब सबकी नजरें आईसीसी के अगले कदम पर टिकी हैं, क्योंकि उसका फैसला न सिर्फ टूर्नामेंट की तस्वीर बदलेगा, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट के भविष्य की दिशा भी तय करेगा।

एक और बड़ी छंटनी की तैयारी, 16 हजार कर्मचारियों की नौकरी पर लटकी तलवार

(एजेन्सी)।
अक्टूबर में आई रिपोर्ट्स के बाद से ही अमेजन के कर्मचारियों के बीच अनिश्चितता का माहौल बना हुआ था। अब ऐसा लग रहा है कि वही आशंकाएं सच होती दिख रही हैं। बता दें कि पहले संकेत मिले थे कि कंपनी आने वाले महीनों में करीब 30 हजार पदों में कटौती कर सकती है, जिसमें से लगभग 14 हजार नौकरियों पर शुरूआती दौर में असर पड़ा था।

मौजूद जानकारी के अनुसार अब दूसरी और बड़ी लहर की तैयारी की जा रही है। कॉरपोरेट प्लेटफॉर्म्स पर चल रही चर्चाओं के मुताबिक अमेजन 27 जनवरी 2026 से लगभग 16 हजार कर्मचारियों की छंटनी कर सकता है। हालांकि कंपनी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन आंतरिक संकेत और कर्मचारियों की पोस्ट इस दिशा में इशारा कर रही हैं।

गौरतलब है कि अगर यह आंकड़े सही साबित होते हैं, तो पिछले कुछ महीनों में अमेजन से जाने वाले कर्मचारियों की संख्या करीब 30 हजार के आसपास पहुंच सकती है। इससे पहले साल 2023 में भी कंपनी लगभग 27 हजार पदों में कटौती कर चुकी है, जिसे उस समय टेक सेक्टर की सबसे बड़ी छंटनियों में गिना गया था।

कई कर्मचारियों का मानना है कि इस नई कटौती की एक बड़ी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का तेजी से बढ़ता इस्तेमाल है। अमेजन सहित कई टेक कंपनियां अब एआई के जरिए कामकाज को ज्यादा ऑटोमेट कर रही हैं, जिससे कुछ भूमिकाओं की जरूरत कम हो रही है। कर्मचारियों द्वारा ब्लाइंड जैसे प्लेटफॉर्म पर साझा की गई जानकारियों के अनुसार, एडब्ल्यूएस और कॉरपोरेट टीमों में काम करने वालों को मैनेजमेंट की ओर से पहले ही संकेत मिलने लगे हैं। कुछ पोस्ट में यह भी कहा गया है कि जिन कर्मचारियों को परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट प्लान यानी PIP पर रखा गया है, उन्हें दूसरों से पहले इस फैसले की सूचना दी जा सकती है। फिलहाल अमेजन की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन कंपनी के भीतर बढ़ती चर्चाएं यह साफ कर रही हैं कि आने वाले हफ्ते हजारों कर्मचारियों के लिए बेहद अहम और अनिश्चित रहने वाले हैं।

'बॉर्डर 2' सिनेमाघरों में किया गया रिलीज

(एजेन्सी)। 27 साल के लंबे इंतजार के बाद, भारतीय सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित युद्ध फिल्म का सीक्वल 'बॉर्डर 2' आज, 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो गया है। जेपी दत्ता के निर्देशन में बनी 1997 की 'बॉर्डर' ने जहाँ लोंगेवाला की लड़ाई को अमर कर दिया था, वहीं 'बॉर्डर 2' 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के उन अनसुने पन्नों को खोलती है जिसमें जल, थल और नभ-तीनों सेनाओं का संयुक्त पराक्रम शामिल था। इस फिल्म की सबसे बड़ी खूबी इसके किरदार हैं, जो काल्पनिक नहीं बल्कि भारतीय सेना के असली जांबाजों से प्रेरित हैं। आइए जानते हैं कौन सा सितारा किस रियल-लाइफ हीरो की भूमिका निभा रहा हैः सनी देओल (लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर के रूप में) सनी देओल इस सीक्वल में वापसी करने वाले फिल्म के एकमात्र मूल कलाकार हैं। इस बार वे लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर की भूमिका निभा रहे हैं, जो भारतीय सेना की सिख रेजिमेंट के एक वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी हैं। उनका किरदार उस अटूट नेतृत्व और रणकौशल को दर्शाता है, जिसके लिए 1971 के युद्ध में सिख रेजिमेंट के अधिकारियों को जाना जाता था।

शिखर विज्डम क्वेस्ट 3.0-2026 के विजयी प्रतियोगियों का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

संजना भारती संवाददाता

बदायूँ। शिखर विज्डम क्वेस्ट 3.0-2026 के विजयी प्रतियोगियों का पुरस्कार वितरण समारोह शेखूपुर स्थित शिखर इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड नर्सिंग के प्रांगण में भव्य रूप से आयोजित किया गया। शिखर विज्डम क्वेस्ट 3.0-2026 के विजयी प्रतियोगियों का पुरस्कार वितरण समारोह मुख्य अतिथि महेश चन्द्र गुप्ता (विधायक, सदर बदायूँ) एवं हरीश शाक्य (विधायक, बिल्सी बदायूँ) गरिमामयी उपस्थिति रही।

संस्थान के चेयरमैन सुभाष चन्द्र, अध्यक्ष डॉ. आर. के. वर्मा, सचिव करन थरेजा एवं प्रबंधक विक्रांत मेंदीरत्ता द्वारा मुख्य अतिथियों का पुष्पमाला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शिखर विज्डम क्वेस्ट 3.0-2026 की लिखित परीक्षा का आयोजन 04 जनवरी 2026 को शिखर इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड नर्सिंग के कॉलेज परिसर में किया गया था, जिसमें सत्र 2025-26 के कक्षा 12 विज्ञान वर्ग के कुल 1511 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 1413 विद्यार्थियों ने आयोजित परीक्षा में दो पालियों में प्रतिभाग किया। और प्रतियोगिता की पूर्व नियोजित स्वरूप अनुसार शीर्ष स्थान प्राप्त पांच प्रतियोगियों को लैपटॉप, 6 से 15 स्थान प्राप्त 10 प्रतियोगियों को टैबलेट एवं 16 से 25 स्थान प्राप्त 10 प्रतियोगियों को पुरस्कार के रूप में स्मार्टफोन मुख्य अतिथि महेश चन्द्र गुप्ता (विधायक, सदर बदायूँ) एवं हरीश शाक्य (विधायक, बिल्सी बदायूँ) द्वारा वितरित किए गए। इस प्रतियोगिता में सत्यदेव विद्यापीठ इंटर कॉलेज जवाहर नगला की नीति राठौर, ब्लूमिंग फ्लोवर इंग्लिश स्कूल, बिसौली की स्तुति वार्ष्णेय, बाबा इंटरनेशनल के अग्रिम चांडक, संतोष कुमारी श्रवण कुमार अग्रवाल सरस्वती विद्या मन्दिर उझानी के प्रताप यादव तथा शिव देवी सरस्वती विद्या मन्दिर के रिशु यादव ने प्रथम स्थान पाकर लैपटॉप जीता है। बाल विद्यापीठ के लक्ष्य राजपूत, एस0के0 इंटर कॉलेज के लक्ष्य पाल, मदर एथेना के सिद्धार्थ गुप्ता, संतोष कुमारी श्रवण कुमार अ0 के दिनेश, भू देवी वार्ष्णेय के राकेश, ए0पी0एस0 इंटरनेशनल के अभिषेक कश्यप, फ्लोरेंस नाइटिंगल के अरीब हुसैन, पी0एम0श्री0 जी0जी0आई0सी0 दातागंज की अलशिफा, भगवान सिंह मेमोरियल धर्मपुर की रूबी एवं ए0पी0एस0 इंटरनेशनल की अंबिका मित्तल ने द्वितीय स्थान पाकर टैबलेट जीता है। संतोष कुमारी श्रवण कुमार अग्रवाल सरस्वती विद्या मन्दिर उझानी की नियति वार्ष्णेय, एस0टी0 के0एम0 इंटर कॉलेज की तान्या, कालसेन बाबा इंटर कॉलेज लभारी के आकाश, शव देवी सरस्वती विद्या मन्दिर की अनुराधा, एस0के0 इंटर कॉलेज के आलोक सिंह, अहमद हसन इंटर कॉलेज उसहैत की वैष्णवी गुप्ता, द्रोपदी देवी सरस्वती वि0मन्दिर के अनुज कुमार, एस0के0 इंटर कॉलेज के अफनान, फ्लोरेंस नाइटिंगल के अपूर्व यादव, एवं ए0पी0एस0 इंटरनेशनल की दीपांशी सक्सैना ने तृतीय स्थान पाकर स्मार्टफोन जीता है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेश चन्द्र गुप्ता (विधायक, सदर बदायूँ) ने अपने संबोधन में शिखर विज्डम क्वेस्ट जैसे आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करते हैं।

भारतीय सभ्यता, संस्कृति और ज्ञान परंपरा की जीवन रेखा है सरस्वती नदी: जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर गांव पोलड़ स्थित सरस्वती मंदिर में हुआ हवन यज्ञ

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार कैथल। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर हरियाणा सरकार द्वारा सरस्वती महोत्सव के अंतर्गत गांव पोलड़ में सरस्वती मंदिर परिसर में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीजेपी की जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। सबसे पहले जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने सरस्वती मंदिर में पूजा अर्चना की तथा इसके बाद उन्होंने सरस्वती मंदिर में बने घाट पर पूष्प अर्पित किए।

जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि हम सभी पर सरस्वती मां की कृपा बनी रहे। बसंत पंचमी की बधाई देते हुए कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश व प्रदेश की तरक्की के लिए अनेकों विकास कार्य किए जा रहे हैं। लुप्त हुई सरस्वती नदी को दोबारा से जीर्णोद्धार करने के लिए हरियाणा सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। हरियाणा सरस्वती बोर्ड का गठन किया गया है। सरस्वती नदी को दिव्य और पवित्र नदी माना गया है। सरस्वती नदी केवल एक नदी नहीं है, बल्कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति और ज्ञान परंपरा की जीवन रेखा है। हरियाणा को गर्व है कि सरस्वती नदी का उदगम स्थल आदिबद्री यमुनानगर जिले में स्थित है। यही से निकलकर सरस्वती नदी हरियाणा के कुरूक्षेत्र, पोलड़ (कैथल), जींद, फतेहाबाद और सिरसा जैसे क्षेत्रों से होकर निकलती है। हरियाणा सरस्वती बोर्ड के माध्यम से नदी के पुनरूद्धार और संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं। यह केवल एक नदी को पुनर्जीवित करने का कार्य नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को सहेजने का संकल्प है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। बीजेपी नेता मनीष शर्मा ने कहा कि सरस्वती नदी ऐतिहासिक रही है। हमारे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ऐसी पवित्र नदी के जीर्णोद्धार कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। इस नदी को दोबारा से पुनर्जिवित करने का काम किया जा रहा है। यह सिर्फ नदी ही नहीं है, बल्कि धार्मिक आस्था का केंद्र है। हर वर्ष सरस्वती नदी पर हवन यज्ञ, भंडारे आदि कार्यक्रम किए जाते हैं।

इस मौके पर मार्किट कमेटी सीवन के चेयरमैन शमशेर सैनी, उप-चेयरमैन विक्रम मुंजाल, शैली मुंजाल, कुलदीप, महेंद्र सिंह चीमा, सत्यावान सीड़ा, लवली राणा, महावीर शर्मा, सुरेंद्र गुर्जर, सुखदेव, गणेश शर्मा, चमकीला पोलड़ के अलावा अन्य पदाधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

उत्तर भारत में 23 जनवरी की वर्षा से गेहूँ की फसल को मिलेगा बड़ा लाभ

फुटाव अवस्था में फसल के लिए अत्यंत अनुकूल मौसम

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी करनाल। उत्तर भारत में शुक्रवार रुक-रुक कर हुई हल्की से मध्यम वर्षा रबी सीजन की प्रमुख फसल गेहूँ के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। यह जानकारी भाकृअनुप-भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल के निदेशक डॉ. रतन तिवारी ने दी। उन्होंने बताया कि मौसम पूवार्नुमान के अनुसार उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में हो रही यह वर्षा रबी सीजन की पहली प्रभावी वर्षा है, जो गेहूँ की वर्तमान वृद्धि अवस्था के लिए विशेष रूप से अनुकूल मानी जा रही है। वर्तमान में गेहूँ की फसल फुटाव एवं तने की वृद्धि अवस्था में है और इस चरण पर हुई वर्षा से खेतों में प्राकृतिक नमी की पूर्ति होगी, जिससे पौधों की बढ़वार बेहतर होगी तथा जड़ें मजबूत होंगी।

डॉ. तिवारी ने कहा कि उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी के चलते उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में ठंडी हवाओं का प्रभाव बढ़ेगा, जिससे बीते कुछ दिनों से तापमान में हो रही वृद्धि पर अंकुश लगने की संभावना है। ठंडे मौसम के साथ पर्याप्त नमी मिलने से गेहूँ की फसल के समग्र विकास में उल्लेखनीय सुधार आएगा। उन्होंने बताया कि रुक-रुक कर हुई इस वर्षा से गेहूँ की पत्तियों पर जमी धूल हटेगी, जिससे पौधों को अधिक धूप मिलेगी और प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया बेहतर होगी। इसके परिणामस्वरूप पौधों की वृद्धि तेज होगी और गेहूँ की पैदावार में वृद्धि होने की संभावना है। साथ ही फसल रोगों के प्रति कम संवेदनशील होगी तथा मिट्टी में नमी बढ़ने से सिंचाई की आवश्यकता भी घटेगी। निदेशक ने किसानों को सलाह दी कि जिन खेतों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो, वहां जल निकास की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

इसके साथ ही समय-समय पर खरपतवार नियंत्रण, रोग एवं कीटों की नियमित निगरानी बनाए रखें। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि आगामी दोझतीन दिनों के मौसम पूवार्नुमान को ध्यान में रखते हुए ही सस्य क्रियाएँ करें।

ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन

संजना भारती संवाददाता

बदायूँ। जनपद में सिटी मॉल में शाम को ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न आपदा व हमलों से बचाव व सुरक्षा के दृष्टिगत कार्यों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अवनीश राय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी आदि मौजूद रहे।

बारिश भी नहीं रोक सकी श्रद्धालुओं की आस्था, श्री खाटू श्याम मंदिर में भव्य रूप से मनाई गई बसंत पंचमी

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी करनाल। शहर की पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में बसंत पंचमी का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया गया। सुबह से लगातार हो रही बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई और बड़ी संख्या में भक्त मंदिर पहुंचकर बाबा श्याम के दर्शन कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते नजर आए।बसंत पंचमी के अवसर पर मंदिर परिसर एवं बाबा श्याम के दिव्य स्वरूप को रंग-बिरंगे और सुगंधित फूलों से भव्य एवं आकर्षक ढंग से सजाया गया, जिससे मंदिर परिसर अलौकिक छटा बिखेरता रहा। मंदिर में पूरे दिन भक्तों की आवाजाही बनी रही और जय श्री श्याम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।पर्व के उपलक्ष्य में मंदिर में विशेष भजन-कीर्तन एवं का आयोजन किया गया। मधुर भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर बाबा श्याम के वस्त्र विधिवत रूप से बदले गए तथा श्रद्धालुओं को बाबा श्याम के पावन वस्त्रों का बागा प्रसाद स्वरूप वितरित किया गया, जिसे भक्तों ने श्रद्धा भाव से ग्रहण किया।

लगातार बारिश से राजौंद में जनजीवन अस्त-व्यस्त, जलभराव और कीचड़ से लोग परेशान

सिवरेज कार्य के चलते उखड़ी गलियों में भरा पानी, नगर पालिका व संबंधित विभागों से समाधान की मांग

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार राजौंद। क्षेत्र में शुक्रवार सुबह से हो रही लगातार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। बारिश के चलते नगर के कई निचले इलाकों, गलियों और मुख्य मार्गों पर जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे आमजन को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

स्थानीय नागरिक दिनेश कुमार, विशाल कुमार, सुरेश कुमार, सतीश कुमार, भीम सिंह, रोहित सहित अन्य ने बताया कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा नगर में सिवरेज पाइप लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान विभाग द्वारा उखाड़ी गई गलियों और सड़कों पर बारिश का पानी जमा हो गया, जिससे नागरिकों, दुकानदारों और ग्राहकों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं।

नगर के पेगा मार्ग पर विभाग द्वारा उखाड़ी गई गली में हल्की बारिश में ही कीचड़ फैल गया, जिससे मंदिर और गुरुद्वारा साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण दोपहिया वाहन चालकों और पैदल यात्रियों के लिए फिसलन का खतरा बना हुआ है। कई स्थानों पर राहगीरों को पानी में से होकर गुजरना पड़ा।

इसके अलावा कुछ क्षेत्रों में नालियों के ओवरफ्लो होने की शिकायतें भी सामने आई हैं। नागरिकों ने नगर पालिका, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और पीडब्ल्यूडी विभाग से मांग की है कि समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि बारिश के दौरान लोगों को बार-बार इस तरह की परेशानी न झेलनी पड़े।

इस संबंध में नगर पालिका सचिव नरेंद्र शर्मा ने बताया कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा नगर में सिवरेज पाइप लाइन बिछाई जा रही है, जिस कारण गलियों और सड़कों को उखाड़ा गया है।

कार्य पूर्ण होने के बाद संबंधित विभाग द्वारा नगर की गलियों और सड़कों का निर्माण नए सिरे से किया जाएगा।

सर छोटू राम जयंती पर लगाए शिविर में 60 लोगों ने किया रक्तदान

संजना भारती संवाददाता

असंध। छोटू राम जागृति मिशन की ओर से सर छोटू राम की 145 में जयंती पर शुक्रवार को आर्य समाज मंदिर में दसवें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बतोर मुख्य अतिथि समाज सेवी सतवीर मान ने शिरकत की और रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया। छोटू राम जागृति मिशन के सदस्यों ने रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर समाजसेवी सतबीर मान ने छोटू राम जागृति मिशन समिति द्वारा आयोजित इस रक्तदान कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि छोटू राम जागृति मिशन समाज के लिए प्रेरणा है, जो बिना किसी भेदभाव से सेवा भाव से कार्य कर रहे हैं।

शिविर में 60 ग्रामीणों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिवर में महिलाओं ने भी पर चढ़कर भाग लिया, महिला मीना ने 21वीं बार रक्तदान देकर ग्रामीणों के लिए प्रेरणा बनी वही 19 वर्षीय शिवानी ने पहली बार रक्तदान देकर महिलाओं का हौसला बढ़ाया। रक्तदान सफल आयोजन में रेड क्रॉस टीम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्ला की टीम ने अपना सहयोग किया। छोटू राम जागृति मिशन के प्रधान सुरेश मान ने बताया कि किसानों के मसीहा दीनबंधु सर छोटे राम की जयंती पर प्रति वर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान कभी भी जरूरतमंदों के लिए जीवन दान बन सकता है। करनाल ब्लड बैंक से आए डॉक्टर संजय वर्मा व सीएचसी बल्ला के डॉ. नितिन डबास ने रक्तदान के महत्व और स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने रक्तदाताओं को बताया कि रक्तदान शिविर सामाजिक जिम्मेदारी और जीवन बचाने के उद्देश्य से प्रमुख होते हैं। इस अवसर पर छोटू राम जागृति मिशन के सदस्य सुरजीत मान, डॉ. सुनील मान, बिट्टू फौजी, संदीप सिंगरोहा सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

सुनियोजित आतंकी हमला टला, होशियारपुर से चार बी.के.आई. कार्यकर्ता आई.ई.डी. और दो पिस्तौल सहित गिरफ्तार

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा/चंडीगढ़/होशियारपुर। गणतंत्र दिवस के मद्देनजर पाकिस्तान की आई.एस.आई. समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए होशियारपुर पुलिस ने काउंटर इंटेलिजेंस (सी.आई.), जालंधर के साथ संयुक्त अभियान में प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बी.के.आई.) से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल का पदार्फाश किया है। इस कार्रवाई के दौरान मॉड्यूल के चार कार्यकर्ताओं को लगभग 2.5 किलोग्राम वजन वाले आरडीएक्स-आधारित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आई.ई.डी.) सहित गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान दिलजोत सिंह, हरमन सिंह उर्फ हैरी उर्फ हरी, अजय उर्फ महिरा और अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श कंडोला के रूप में हुई है। ये सभी एस.बी.एस. नगर जिले के राहों क्षेत्र के निवासी हैं। आरडीएक्स-आधारित आई.ई.डी. के अलावा पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से दो पिस्तौल भी बरामद की हैं।

नीम साहिब गुरुद्वारे में बसंत पंचमी पर किया गया निःशुल्क चिकित्सा एवं योग शिविर का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार कैथल। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर नीम साहिब गुरुद्वारा में आयुष विभाग द्वारा एक निःशुल्क चिकित्सा एवं योग शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में न केवल मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई, बल्कि उन्हें निःशुल्क औषधियाँ भी वितरित की गईं। शिविर में हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के प्रधान जगदीश सिंह झींडा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि बसंत पंचमी का स्वास्थ्य से गहरा संबंध है। यह पर्व 'नव-जीवन' का प्रतीक है और आयुर्वेद के अनुसार इस समय शरीर में 'कफ दोष' को संतुलित करना आवश्यक होता है। उन्होंने खान-पान की सलाह देते हुए कहा कि इस मौसम में पीले फल (केला, अनानास) और हल्दी व केसर जैसे तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। डॉ. शकुंतला दहिया ने स्वच्छता पर जोर देते हुए मच्छरों और गंदगी से होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह दी। आयुष विभाग ने भविष्य में भी इस प्रकार के जन कल्याणकारी स्वास्थ्य और योग जागरूकता शिविर आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी डॉ. अंजली श्योकंद की देखरेख में किया गया। डॉ. प्रदीप शर्मा और डॉ. सौरव ने 162 मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया।

डॉ. सुशील जागलान ने 56 रोगियों को होम्योपैथिक उपचार प्रदान किया। इसी प्रकार योग सहायक संदीप सिंह, संजू आर्य और सतीश कुमार ने उपस्थित लोगों को सूर्य नमस्कार और विभिन्न योगाभ्यास करवाए। उन्होंने फेफड़ों के स्वास्थ्य के लिए ताजी हवा में टहलने और प्राणायाम पर जोर दिया।

वहीं कमला रानी, स्नेहा, सुशील कुमार, विनोद कुमार और कुलवंत सिंह (फार्मासिस्ट) ने मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित कीं। गुरुद्वारा नीम साहिब की प्रबंधन समिति के पूर्ण सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना को पंजाब भर में मिला व्यापक समर्थन

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करते हुए पंजाब सरकार ने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना की शुरूआत कर दी है। इस पहल के तहत कैबिनेट मंत्रियों के नेतृत्व में पूरे पंजाब में लाभार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सुनाम ऊधम सिंह वाला में पंजीकरण अभियान का नेतृत्व करते हुए कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि इस योजना की शुरूआत के साथ पंजाब का प्रत्येक परिवार 10 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज कराने का अधिकार प्राप्त करेगा। इस योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपये तक की छोटी और बड़ी सभी बीमारियों के लिए सभी दवाइयां और जांचें निःशुल्क उपलब्ध होंगी। अस्पताल में भर्ती होने पर मरीज को केवल अपना स्वास्थ्य कार्ड दिखाना होगा और पूरा इलाज कैशलेस होगा।

राजौंद के वाल्मीकि मंदिर में आयोजित हुआ मेगा स्वास्थ्य जागरूकता कैंप

वाल्मीकि मंदिर राजौंद में सीएचसी राजौंद के द्वारा आयोजित मेगा स्वास्थ्य जागरूकता कैंप। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार राजौंद। राजौंद के कैथल मार्ग पर स्थित वाल्मीकि मंदिर में सीएचसी राजौंद के तत्वावधान में मेगा स्वास्थ्य जागरूकता कैंप का जन सेवा की भावना से सफल आयोजन किया गया। कैंप का आयोजन जिला नागरिक अस्पताल की सीएमओ डॉ. रेणु चावला के दिशा-निदेर्शों में किया गया।

सीएचसी राजौंद के एसएमओ डॉ. संदीप सिंह ने बताया कि कैंप के दौरान फोक मीडिया के तहत नाटक मंडली के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इसके साथ ही मौके पर ही मरीजों की विभिन्न प्रकार की जांचें भी की गईं। कैंप में

नाटक से स्वास्थ्य का संदेश दिया, ब्लड टेस्ट व एचआईवी सहित कई जांचें निःशुल्क की गई

ब्लड टेस्ट, छाती का एक्स-रे, आयुष्मान कार्ड बनवाने की सुविधा, एचआईवी टेस्ट सहित कई अन्य आवश्यक जांच सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

आईसीटीसी काउंसलर मनीता ने एड्स के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि एड्स एक लाइलाज बीमारी है, लेकिन जागरूकता ही इसका सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने बताया कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति भी समय-समय पर जांच और सही उपचार लेकर सामान्य जीवन जी सकता है।

इस अवसर पर टीबी सुपरवाइजर अनिल कुमार, आईसीटीसी काउंसलर मनीता, एसटी काउंसलर लोकेश कुमार, लैब टेक्नीशियन राजकमल, नर्सिंग ऑफिसर अंकित, विनोद सहित आशा वर्कर और अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

मूंगफली की उन्नत खेती

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेतु क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग कर लेना चाहिए।

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। मूंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत मे बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली बार फूल आने के समय दूसरी बार 2-3 सप्ताह बाद जबकि पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

फसल चक्र

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

रोग नियंत्रण

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले कवक (एर्स्पजिलस नाइजर, एर्स्पजिलस फ्लेवस आदि) जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं। इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संखया के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिल इल्ली

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूँस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्विनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव करना चाहिए।

मूंगफली की माहु

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियाँ सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

सफेद लट

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह बहुभोजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं। मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं। और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं। क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए जिसमें लगातार 2-3 वर्षो से मूगंफली की खेती नहीं की गई हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई, खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियाँ गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफूदी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

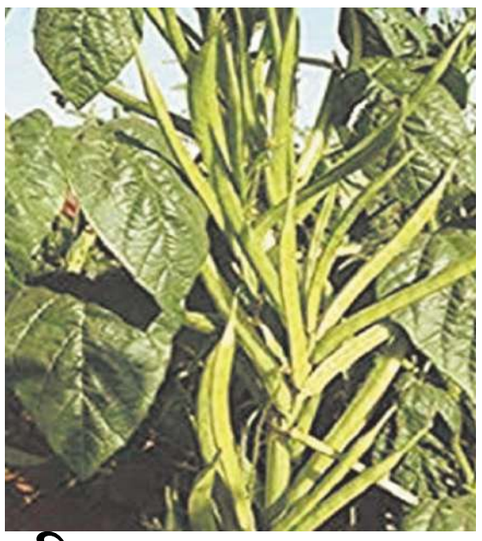

ग्वार की उन्नतशील खेती

है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली जाती हैं।

भूमिका

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती

उन्नतशील प्रजातियॉं

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी. सी.-1003

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव
फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।
उर्वरक
प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता है।

दूरी

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर
पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।
सिंचाई एवं जल निकास
लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।

इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

फसल सुरक्षा

कीट नियन्त्रण

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं। इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,
हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है।
मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया
लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियाँ हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।
रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।
बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना चाहिए।
एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सक्रिय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उपज

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0 प्राप्त होती है।